क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

कान

सुनना

- सामने से
- पीछे से
- बगल से

१. अवलोकन

कक्षा की स्थिति में शिक्षक सामान्य स्वर तथा ध्वनि में कुछ बोले और पीछे की पंक्ति में बैठे बच्चे को दोहराने के लिए कहें। यदि बच्चा ध्यान पूर्वक सुनने के बावजूद उसे दोहराने में असमर्थ रहता है तो शिक्षक १६ फुट, १२ फुट, ६ फुट, और अन्त में ३ फुट की दूरी से जांच करें कि क्या बच्चा इस दूरी से सुन सकता है। इस किया को सामने, पीछें, दायें और बायें से दोहराया जा सकता है।

हाँ — नही

सुविधापूर्वक

असुविधापूर्वक

२. खेल की गतिविधियां

१. ध्वनियों का अनुमान लगाना शिक्षक तीव्र तथा मन्द ध्वनि में बोलें और बच्चों को यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि क्या आवाज तीव्र, धीमी या ऊँची और नीची है। और आवाज कहाँ से आ रही है, यह भी पहचान कर बतायें।

(क) एक घंटी बजाइयें

(ख) दो गुट्टों को लेकर आपस में टककर मारिए।

हाँ — नही

हाँ — नही

हाँ — नही

हाँ — नही

हाँ — नही

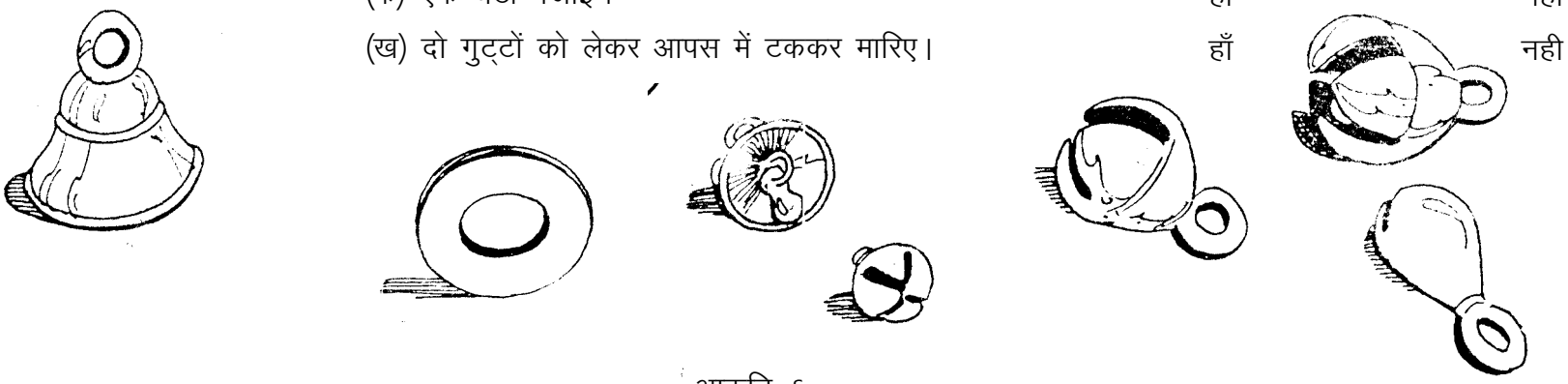

आकृति ६

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

(ग) अंगुलियों से चुटकी बजाना हाँ नही

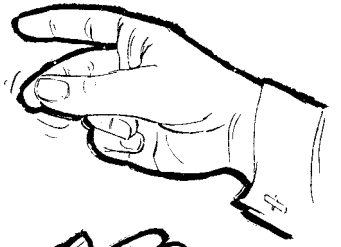

आकृति १० क

(घ) ताली बजाना हाँ नहीं

आकृति १० ख

(ड़) चाकबोर्ड पर लिखना हाँ नही

(च) रबर गिराना हॉ नही हाँ नही

२. **लय के साथ दोहराना**

बच्चों को बैठाकर ऑखे बन्द करने के लिए कहिए । अब आप लय के साथ ताली बजायें और बच्चें ध्यानपूर्वक सुनें जैसाकि नीचे दिखाया गया है । बच्चों से कहिए :– ताली बजाइए, जैसें मैंने बजायी है । ताली बजाने में तालें बदलकर विविधता लाइए ।

आकृति ११

सारांश :

वह गतिविधियां जिन्हें बच्चा कर सकता है :

गतिविधियां जिन्हें करने में बच्चे को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

शिक्षण, कक्षाकक्ष के प्रबन्धन तथा खेल के लिए निहितार्थ।

दृष्टि– क्षीणता का क्रियात्मक मूल्याकंन

नीचे दिये गये प्रपत्र को भरकर आप बतायें कि बच्चें की आंखे बाहर से कैसी दिखाई पड़ती है? उसके आधार पर तालिका को पूरा करके क्रियात्मक मूल्याकंन प्रारम्भ कर सकते हैं । जांच तालिका में दिये गये निर्देशों के अनुसार बच्चे की शारीरिक बनावट के बाहरी रूप का अवलोकन प्रारम्भ कीजिए । अपने अवलोकन तथा मूल्यांकन के आधार पर हर स्तम्भ के सामने टिक का निशान (✓) लगाइए ।

नीचे दिये गये प्रपत्र को भरकर शिक्षक, आंखे बाहर से जैसी दिखाई पड़ रही है, उसके आधार पर टिक का निशान (✓) लगाते हुए क्रियात्मक मूल्याकंन शुरू कर सकते हैं :

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

विशेषताएँ	क्षेत्र	
	बायीं आँख	दायीं आँख
अधिक बड़ी		
अधिक छोटी		
बाहरी चोट/दुर्घटना के कारण क्षति		
त्वचा में फोड़े–फुंसियां		
बहना (पानी आना)		
अन्य कोई (विशिष्ट)		

आँखें

१. बच्चे की दृष्टि का परीक्षण करना (निकट दृष्टि)

- दाहिनी आंख बच्चा
- बायीं आंख
- दोनों आखें

निम्नलिखित की भॉति अच्छे प्रकाश वाले कमरे में या बाहर ६ मीटर या २० फुट की दूरी पर 'स्नेलेन ई चार्ट' अथवा कोई अन्य टांग दीजिए । यह देखिए कि बच्चा कितनी पक्तियां प्ढ़ सकता है । ६ मीटर के स्नेहलेंन अथवा कोई अन्य संकेत चार्ट स्नेलेन पैमाना।

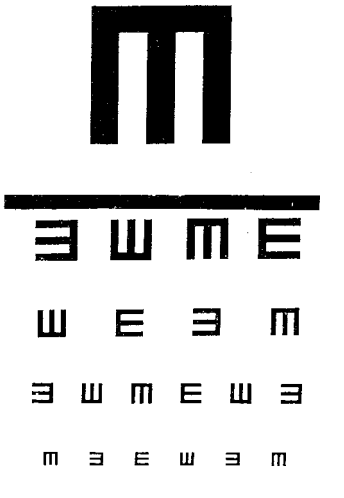

आकृति १२

निर्देशः

आंख की जांच का यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण भाग है ।

१. चमक रहित अच्छे प्रकाश में चार्ट को रखिए ।

२. बच्चे को चार्ट से ६ मीटर या २० फुट की दूरी पर खड़ा कीजिए ।

३. चार्ट की चौथी पंक्ति आपके शिक्षार्थी की आंखो के सामने के स्तर पर होनी चाहिए।

४. परीक्षण के बारे में आवश्यक बातें स्पष्ट रूप से बता दीजिए ।

५. हर आंख की दृष्टि–शक्ति का अलग मापन कीजिए । पहले बायीं आख को ढक कर दायीं आख की दृष्टि–शक्ति का मापन कीजिए ।

६. बच्चे से ई की टांगों की दिशा में अंगुलियों से संकेत करने के लिए कहिए – ऊपर, नीचे, दायें, बांयें ।

७. यदि बच्चा एकदम ऊपर से नीचे तक ६/१२ पंक्ति सहित कुछ नही पढ़ सकता है तो उसे आगे जॉच के लिए भेजिए । परामर्श दीजिए ।

८. यदि बच्चा सबसे ऊपर की पक्ति से नीचे ६/१८ तक नहीं पढ़ सकता है या पुस्तकों को पढ़ने में कठिनाई की शिकायत करता है तो बच्चें को आगे जांच के लिए सन्दर्भित कीजिए ।

९. यदि बच्चा कम देखने या पढ़ने में कठिनाई की शिकायत करता है तो उसे पढ़ने की अच्छी आदत डालने की सलाह दीजिए। जैसे –

(क) अच्छे प्रकाश में पढ़ों जहॉ चमकीली रोशनी न हो ताकि उसकी चमक किताब या अन्य पठन–सामग्री पर पड़े ।

(ख) पुस्तक को अपने से लगभग ३३ सेंटीमीटर या १४ इंच की दूरी पर पकड़ो ।

(ग) पढ़ने के हर आधा धंटे बाद ५ मिन्ट तक आराम करके फिर पढ़ों ।

टिप्पणी – यदि बच्चा बड़े आकार में लिखे ई–ई (EE) को भी नही पढ़ सकता तो बच्चें को चार्ट की तरह आधी दूरी तक पास ले जाइए । बच्चें को ३ मीटर की दूरी पर खड़ा होना चाहिए । यदि बच्चा ३ मीटर की दूरी से E को देख सकता है तो बच्चों की दृष्टि–शक्ति ३/६० अंकित कीजिए।

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

२. शिक्षक श्यामपट्ट पर जो कुछ लिखते हैं उसे एक दूरी से पढ़ने के लिए बच्चे से कहें, यह दूरी कक्षा के पीछे की पंक्ति से हो सकती है। आप दूरी में और श्यामपट्ट पर लिखावट के अक्षरों के आकार में बदलाव ला सकते हैं। आप बच्चे से एक आंख और फिर दूसरी आंखें से देखकर पढ़ने के लिए कहें। हाँ नही

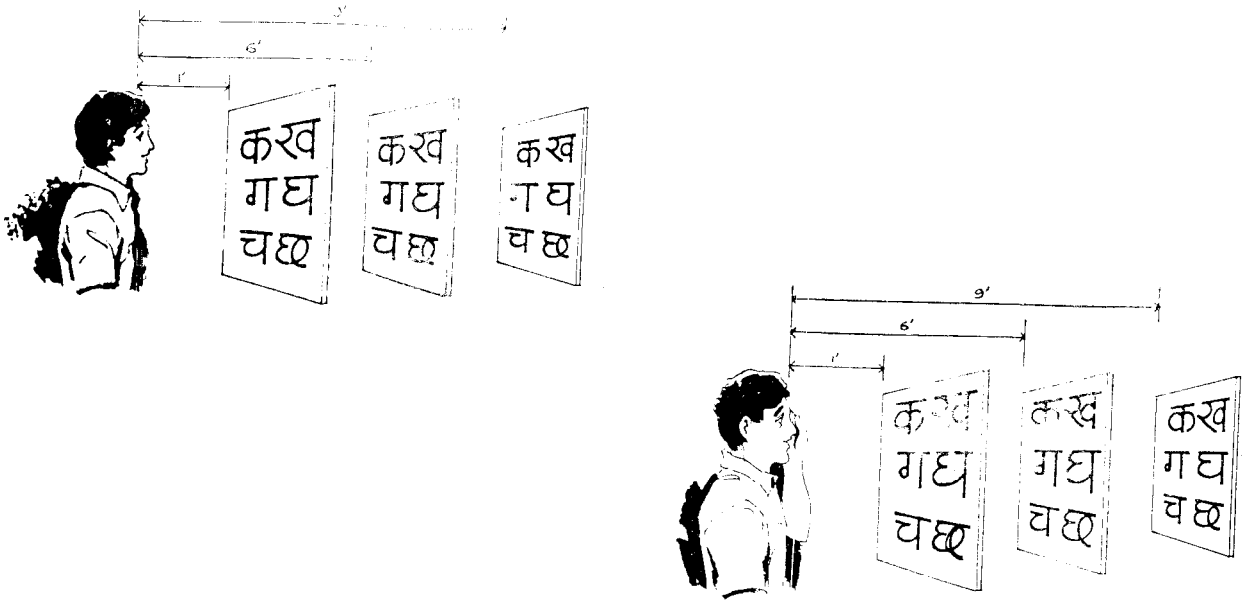

आकृति १३

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

३. **आकार खेल :** हर बच्चे को कोई वस्तु दीजिए, जैसे पुस्तक, पेंसिल या गेंद। उसी शक्ल की विभिन्न आकारों वाली वस्तुओं को बच्चे से अलग–अलग दूरी पर रखिए। कुछ वस्तुएं अपेक्षाकृत छोटी हों, कुछ बड़ी हो और कुछ उसी आकार की हो जिस आकार की वस्तु हर बच्चा अपने हाथ में लिये है। हर बच्चे से कहिए कि वह उन वस्तुओं को पहचानें, जो उसी आकार की है जिस आकार की वस्तु वह अपने हाथ में पकड़े हैं, जैसा कि नीचे चित्र में हों दिखाया गया है।

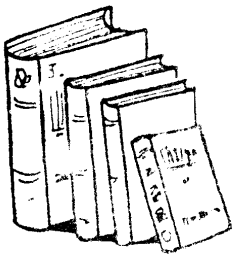

हाँ नही

आकृति १४

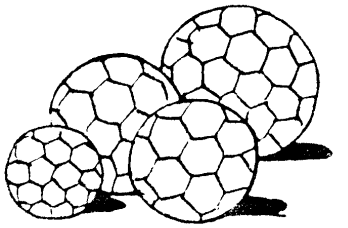

४. **कार्ड पढ़ने का खेल :** आप बच्चे को पढ़ने के लिए एक कार्ड दें जिसमें ४–८ प्वाइंट, ३० प्वाइंट, २४ प्वाइंट, १८ प्वाइंट, १४ प्वाइंट, १२ प्वाइंट और १० प्वाइंट की लिखावट हो। बच्चे से क्रमशः एक फुट, नौ इंच और अन्त में छः इंच की दूरी से पहले दोनों से, फिर केवल दाहिनी आंख से और तब अकेले बायीं आंख से देखकर पढ़ने के लिए कहें।

हाँ नही

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

४८ प्वाइंट
रात नाक कान घास
तारा माला कार लाल

३० प्वाइंट
थैला एक हाथ में लाया।
पहनें है वह खाकी कपड़े।

१८ प्वाइंट

अमित – भाई! रात को सूर्य क्यों नहीं निकलता?
सुमीत – निकलता तो है।
अमित – फिर दिखाई क्यों नहीं देता?
सुमीत – अरे! अंधेरे में दिखाई कैसे देगा।

३६ प्वाइंट
एक दिन किसानराम
दफ्तर से लौट रहा था।

२४ प्वाइंट
हाथी जंगल के जानवरों को बहुत प्यार करता।

१४ प्वाइंट

१. यातायात के वर्तमान साधनों की एक सूची बनाना।
२. यातायात के प्राचीन साधनों के चित्र एकत्र करना।
३. एक कुम्हार को काम करते हुए देखना और बर्तन बनाने की विधियों को सीखना।
४. ऐसी वस्तुओं की सूची बनाना जिनमें पहिये का प्रयोग होता है।

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३
	१२ प्वांइट अक्षरों की आकृतियों की पहचान। बाई ओर लिखे अक्षरों के दाई ओर के शब्दों में से उसके चारों ओर गोला खीचों।	१० प्वाइंट राष्ट्रीय शिक्षा नीति – १९८६ के प्रारम्भ होने के साथ ही ऐसी चित्रण सामग्री की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी जो इस नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक हो। इस नीति के अनुसार शिक्षा बाल–केन्द्रित होगी और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जायेगा। इस शिक्षा नीति में भारत के राष्ट्रीय जीवन के लिए आवश्यक कुछ महत्वपूर्ण मूल्यों को "केन्द्रित शिक्षाक्रम" के रूप में स्थान दिया गया है। यह एक दूरगामी नीति है और इसका पालन सही ढंग से किया जाय तो भारत के नव निर्माण में इससे महत्वपूर्ण योगदान मिल सकेगा।

टिप्पणी : शिक्षक बच्चों की पाठ्य पुस्तकों में विभिन्न प्वाइंट की मुद्रित लिखावट खोजें और बच्चों से विभिन्न प्वाइंट की मुद्रित लिखावट पढ़ने के लिए कहें।

५. **सुई में धागा डालना :** बच्चों को अलग–अलग सुइयां दीजिए और उनसे सुई में धागा डालने के लिए कहिए। अलग–अलग मोटाई के धागों का प्रयोग किया जाय।

दृष्टि का क्षेत्र

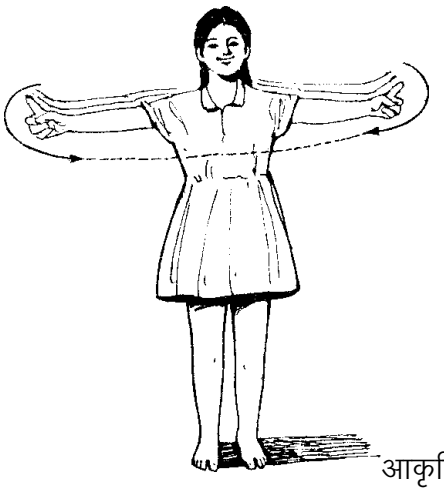

आकृति १६

(१) बच्चें से कंधों के बगल की ओर हाथ फैलाने के लिए कहिए और अंगुलियों को मुट्ठी में बन्द करते हुए आगे की अंगुली (तर्जनी) से संकेत करने को कहिए। उससे भुजाओं को आगे की तरफ तब तक बढ़ाते जाने के लिए कहिए जब तक कि वह अंगुली देख न सके। नीचे की आकृति देखिए।

(२) नामों का अनुमान लगाना – आप कक्षा में बच्चे से अपने निकट की पंक्ति में बैठे बच्चों को बताने के लिए कहिए : अपना सिर घुमाये बिना बताओ – तुम्हारे दायी ओर बायी तरफ कौन बैठा है? उदाहरण के लिए

आकृति १५

उस स्थिति को अंकित कीजिए जहाँ से बच्चा अपनी अंगुल (दृष्टि–क्षेत्र का कोण) को देख सकता है।

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

'एक्स' निशान वाले से बच्चे से 'वाई' और 'जेड' निशान वाले बच्चों के नाम बताने के लिए कहिए। जैसा कि नीचे की आकृति में दिखाया गया है।

हाँ नहीं

आकृति १७

३. शिक्षक एक सीधी रेखा खींचे, उसके दोनों सिरों (कोनों) पर दो वस्तुएं रखें और बच्चे रेखा के मध्य में खड़ा करके, सिर घुमाये बिना वस्तु को तब तक (बच्चे के सामने की तरफ) खिसकाये जब तक कि बच्चा वस्तु को देख न ले, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

उस स्थिति (कोण) को अंकित करें जहाँ से बच्चा देखने के क्षेत्र का अनुमान लगाते हुए वस्तु को देख सकता है।

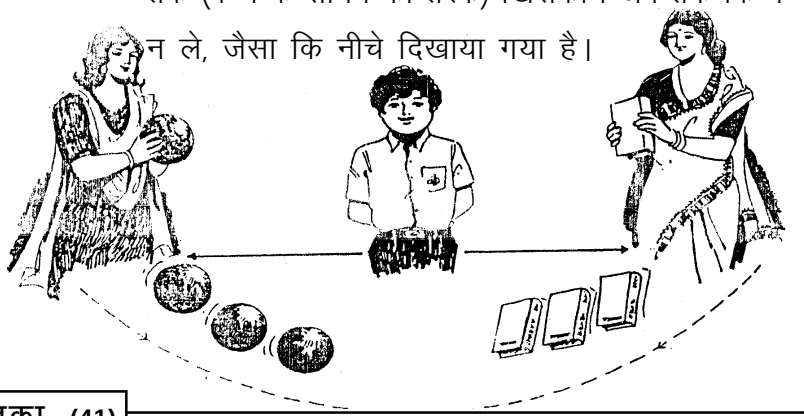

आकृति १८

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

टिप्पणी – ऊपर की तीनों क्रियाएं उस कोण/स्थिति को निश्चित करने में शिक्षक की सहायता करेंगी जहाँ से बच्चा आराम से वस्तु देख सकता है। इसके आधार पर शिक्षक उसक उचित कोण/स्थिति पर बैठा सकता है जिससे वह श्यामपट्ट पर जो कुछ लिखा है उसे आराम से पढ़ सकता है।

३. दोहरे प्रतिबिम्ब (वाइनाकुलर)

१. शिक्षक बच्चों से वस्तुओं का वर्णन करने के लिए कह सकता है। हाँ नहीं

२. कार्ड का खेलः शिक्षक ऐसे कार्डों का प्रयोग करें जिनमें थोड़े अलग–अलग कोणों पर हाथ के छापे लगे हों। इन्हें दिखाकर शिक्षक उनके एक जैसे कार्डों को एक साथ रखकर तीन समूह बनाने के लिए कह सकता है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है। हाँ नहीं

आकृति १६

३. लुप्त वस्तु वाला खेल हाँ नहीं

शिक्षक बच्चो ंको ऐसे कार्ड दिखायें जिनमें उनके कुछ हिस्सें गायब हो, फिर उनसें पूछें– इसमें क्या गायब है? उदाहरण के लिए नीचे की आकृति देखें।

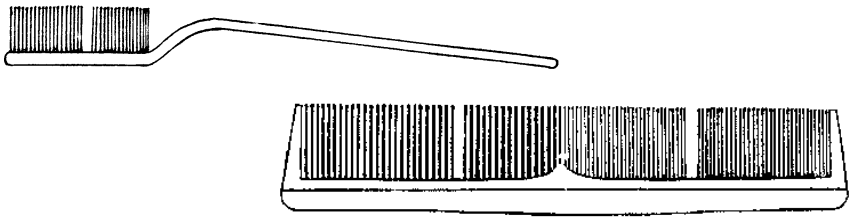

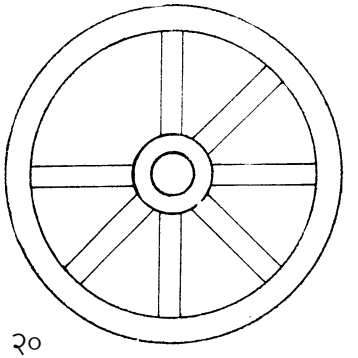

आकृति २०

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन	
१	२	३	
४. रंग का अन्धापन (लाल, नीला, हरा)	१. आप यह देखें कि बच्चा लाल,हरा और नीला रंग बतानें में क्या लगातार गलतियां करता है।		
	२. आप बच्चों को विभिन्न रंगो के कार्ड देकर उनमें से एक जैसे रंग के कार्डों को एक साथ रखने को कह सकते हैं।	हाँ	नहीं
	३. **रंग का खेल–** बच्चों को पानी से भरे कुछ प्याले दें, उन्हें रंगीन पानी भी दें, जैसे लाल, नीली और हरे रंग की स्याही का प्रयोग किया जा सकता है। आप उनसे थोड़ा रंगीन पानी गिराने और उसका रंग बताने को कहें। अब आप उनसे किसी और रंग वाला थोड़ा पानी गिराने और उसका रंग बताने के लिए कहें जिसे उन्होने बनाया है। क्या वे बता पाते हैं?	हाँ	नहीं
५. रात का अन्धापन	१. बच्चे को क्या ऐसे कमरे में पढ़ने में कठिनाई होती है जहां प्रकाश की बहुत अच्छी व्यवस्था नहीं है?	हाँ	नहीं
	२. बच्चे से पूछे कि क्या उसे शाम के झुटपुटे में चीजों को देखने में कठिनाई महसूस होती है?	हाँ	नहीं
	३. **अंधेरा कमरा–** रोशनी हटा दीजिए और कमरे को पूरी तरह से नहीं बल्कि थोड़ा अंधेरायुक्त कर दिजिए। अब बच्चों से मालूम कीजिए कि क्या वे कमरे की चीजों को पहचान लेते हैं।	हाँ	नहीं
	४. शिक्षक या माता–पिता बच्चें से यह मालूम करें कि क्या उसे कम रोशनी वाले कमरे से बतायी हुई चीज लाने में संकोच होता है?	हाँ	नहीं

सारांश

क्रियाएं जिन्हें बच्चा कर सकता है :

क्रियाएं जिन्हें करने में बच्चे को कठिनाई होती हैः

शिक्षण, कक्षाकक्ष प्रबन्धन तथा खेल के लिए निहितार्थ

शारीरिक अंगों की क्षीणता

शारीरिक अंगों की क्षीणता का क्रियात्मक मूल्यांकन नीचे दिये गये प्रपत्र को भर कर आप बच्चे से जैसे दिखाई पड़ते हैं, उसके आधार पर तालिका को पूर्ण करते हुए शारीरिक अंगों की क्षीणता का मूल्यांकन प्रारम्भ कर सकते है।

जांच तालिका में दिये गये मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुसार आप बच्चे के शारीरिक अंग जैसे दिखाई पड़ते हैं, उसका अवलोकन प्रारम्भ कर सकते है। अपने अवलोकन तथा मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक स्तम्भ के सामने टिक का निशान (✓) लगाइए।

विशेषता	क्षेत्र	गर्दन	भुजाएं	हाथ	अंगुली	पीठ	टांगें	पैर	पैर का अंगूठा
१. गायब या लुप्त होना									
२. अंग–छेन विकास									
३. अतिरिक्त अंग									
४. अधिक लम्बा									
५. अधिक छोटा									
६. दूसरों से अधिक लम्बा									
७. अधिक मोटा									
८. दूसरों से पतला									
९. दूसरों से अधिक मोटा									
१०. कोई अन्य विशेषता									

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३
(१) गर्दन	**निर्देशों का पालन करना**	हाँ नहीं
१. संभावना	१. शिक्षक हर निर्देश के पालन का प्रदर्शन कर सकता है और बच्चे से निर्देशों का पालन करने के लिए कहा जा सकता है।	आराम से कठिनाई से
२. मोड़ना या घुमाना	२. शिक्षक बच्चे से निकट परिवेश में विभिन्न दिशाओं में मौजूद किसी वस्तु की तरफ देखने के लिए कहें। वस्तुएं बच्चे के लिए रुचिकर हों।	आराम से कठिनाई से
⌘ दाहिनी ओर ⌘ बायीं ओर ⌘ नीचे की ओर ⌘ ऊपर की ओर	३. क्रियात्मक गीत/तुकबन्दियां : ऐसे कठिनाई से सरल तुकबन्दियों को बच्चों से दोहराने के लिए कहा जाय जिनमें बीच–बीच में सिर को विभिन्न दिशाओं को मोड़ना भी शामिल हो। उदाहरण के लिए शिक्षक निम्नलिखित तुकबन्दी साथ–साथ दोहराने के लिए कहे : "म्याऊँ–म्याऊँ कहती बिल्ली (अपना सिर दायीं तरफ मोड़िए)" भों–भों करता कुत्ता (अपना सिर बायीं तरफ मोड़िए)"	आराम से कठिनाई से
(२) भुजाएं ⌘ बगल में (दायें–बायें)	१. **निर्देशों का पालन करना :** विभिन्न दिशाओं में शारीरिक अंगों के संचालन की कसरतें जो शिक्षक द्वारा निर्दिष्ट की जायं जैसा कि नीचे चित्र में दिखाया गया है।	आकृति २१ आराम से कठिनाई से
(३) भुजाएं ⌘ ऊपर की ओर ⌘ नीचे की ओर	२. निर्दिष्ट दिशा की ओर ही वस्तु तक पहुँचने या छूने का संकेत करना। ३. बच्चों को मैदान में घास पर इस प्रकार लेटने के लिए कहा जा सकता है कि भुजाएं बगल में रहें तथा टांगें एक साथ सीध में हों। उनसे निम्नवत् करने के लिए कहिए –	हाँ नही आराम से कठिनाई से

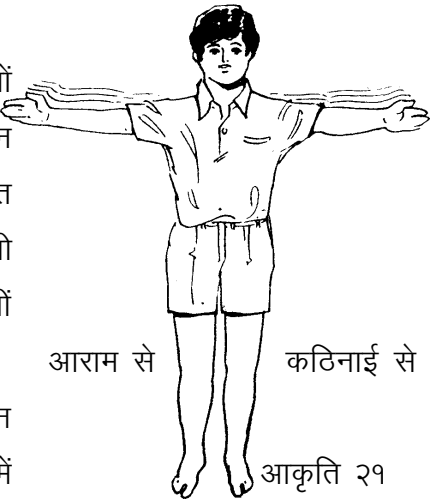

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३
	(क) भुजाओं को खिसकाते हुए फर्श तक ले जाइए आराम से और फिर वापस सिर के ऊपर तक लाइए। 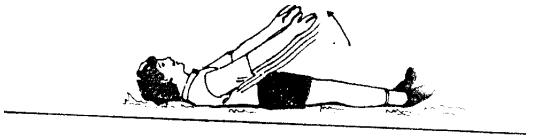	आराम से कठिनाई से
	(ख) अपनी भुजाओं को ऊँचाई तक उठाइये और अपने हाथों को स्पर्श कीजिए। 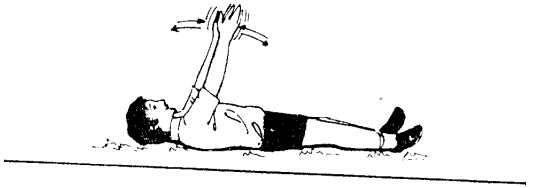	आराम से कठिनाई से आराम से कठिनाई से
(४) **भुजाएं** ⌘ ऊपर की ओर ⌘ नीचे की ओर	(ग) अपनी भुजाओं को नीचे आराम से अगल–बगल में ले आइए। 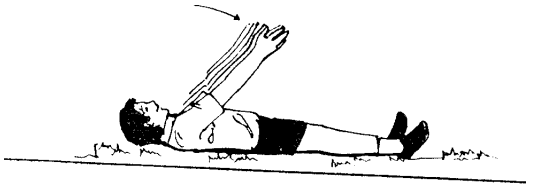	आराम से कठिनाई से
	४. बच्चों को कहें कि वे अपनी भुजाओं को ऊपर नीचे ले जाएं और तितली का अभिनय करें। शिक्षक उनसे यह क्रिया निम्नवत् कहकर करा सकते हैं : आओ हम सब तितली बन जायं (जैसा कि नीचे दिखाया गया है।) 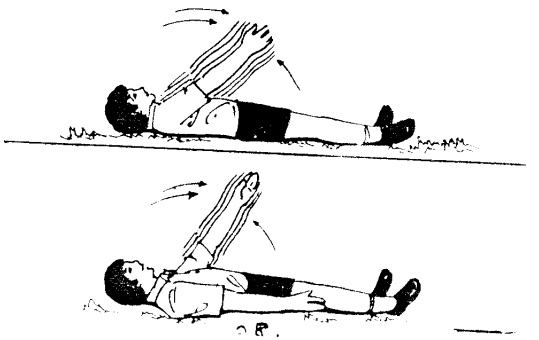 आकृति २२	हाँ नही आकृति २३ आराम से कठिनाई से

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

(५) भुजाएं

- गोलाई में
- घड़ी की दिशा में
- घड़ी की उल्टी दिशा में

५. यह कहते हुए कि "हम सब पहिये हैं।" बच्चों से पूरा घूमने के लिए कहें। घूमने की क्रिया हो सकती है। पहिये को आगे की तरफ बढ़ने दें, घड़ी के विपरीत दिशा में घूमने की क्रिया हो सकती है : अब पहिये को पीछे की तरफ बढ़ने दें, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है :

हाँ नहीं

आराम से कठिनाई से

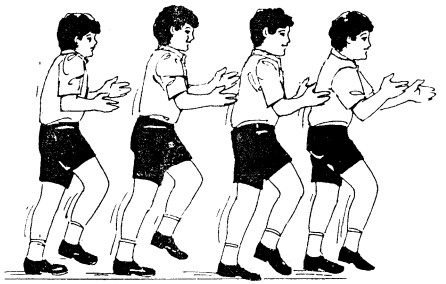

आकृति २४

आकृति २५

३. कोहनी झुकाना

निर्देशों का पालन करना

शिक्षक बच्चों से कहें कि वे अपने हाथों को रेलगाड़ी की तरह घुमायें जिसमें कोहनी का संचालन निम्नवत् हो :

आराम से कठिनाई से

४. कलाई को मोड़ना

- ऊपर की तरफ
- नीचे की तरफ
- गोलाई में

बच्चे का निम्नलिखित क्रियाएं करते समय अवलोकन करें :

(क) खूंटी या सलाई ठोंकते समय। जैसा कि नीचे

हाँ नही

आकृति २६

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन
१	२	३

दिखाया गया है।

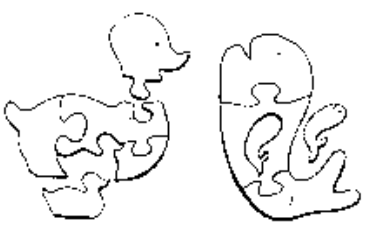

आकृति २७

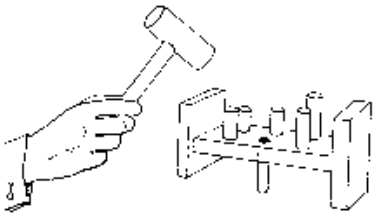

आकृति २८

आराम से कठिनाई से

आराम से कठिनाई से

(ख) गुल्ली–डंडा, बैंडमिंटन आदि खेल खेलते समय।

(ग) (१) बच्चे शिक्षक के अंग–संचालन का अनुकरण करते हुए क्रिया करें। इसमें विभिन्न दिशाओं में कलाई घुमाने की क्रिया हाव–भाव दिखाने की क्रिया आदि हो सकती है।

२. शिक्षक बच्चों से चूर्ण मिलाने की क्रिया का अभिनय करने के लिए कह सकते हैं। आराम से कठिनाई से

३. शिक्षक बच्चों से फीते को गोलाई में मोड़ने और घुमाने के लिए कह सकते है। जैसा कि नीचे दिखाया गया है। आराम से कठिनाई से

आकृति २९

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन	
१	२	३	
(५) **अंगुलियों को झुकाना, पकड़ना, लिखना**	निम्नलिखित क्रियाओं को बच्चे किस प्रकार करते हैं, इसका शिक्षक अवलोकन करें :	हाँ	नहीं
	१. **कागज फाड़ना तथा टुकड़े–टुकड़े करना :** बच्चों से कहें कि वे एक हाथ में कागज का टुकड़ा पकड़ें और दूसरे हाथ से उसे फाड़ दें। कागज को फाड़ने और बाद में टुकड़े–टुकड़े करने में बायें और दायें दोनों हाथों का प्रयोग किया जा सकता है।	आराम से	कठिनाई से
	२. **अँगुलियों की कसरत :** बच्चे एक हाथ की हथेली को मेज पर रखें। अब उनसे कहिए कि वे अन्य अँगुलियों को हिलाए बिना एक–एक अँगुली से मेज को हटाने की कोशिश करें। जैसा कि नीचे दिखाया गया है।	हाँ आराम से	नही कठिनाई स
	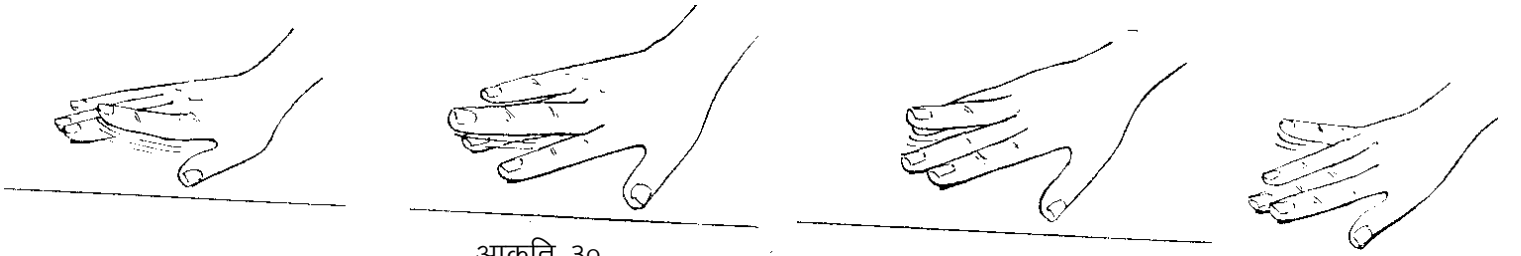 आकृति ३०		
(६) **हाथ संभालना और कसकर पकड़ना**	१. **गेंद का खेल :** बच्चों से निम्नलिखित क्रियाएं करने को कहें :	आराम से	कठिनाई से
	(क) अलग–अलग आकार और वज़न की गेंद को फेंको, लुढ़काओ और लात से मारो, बल्ले से मारो और उस पर मुक्का मारो।	आराम से	कठिनाई से
	(ख) रबड़ की एक बड़ी गेंद को दोनों हाथों से पकड़ो, एक हाथ से पकड़ो	आराम से	कठिनाई से

क्षेत्र	विधि	मूल्यांकन	
१	२	३	
	और फिर बदलकर दूसरे हाथ से पकड़ो।		
	(ग) पहले धीमी गति से लुढ़काई गई रबड़ की बड़ी गेंद पकड़ो।	आराम से	कठिनाई से
२.	बच्चों से स्वतंत्र रेखांकन (फ्रीहैंड ड्राइंग) करने और कार्बन वर्तिका, पेंसिल प्रयोग करते हुए लिखने को कहिए।	आराम से	कठिनाई से

सारांश :

क्रियाएं जिन्हें बच्चा कर सकता हैः

क्रियाएं जिन्हें करने में बच्चे को कठिनाई का सामना करना पड़ता हैः

शिक्षण, कला–कक्ष–प्रबन्धन तथा खेल के लिए निहितार्थः